COVID-19 CORONAVIRUS PANDEMIC

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ।

इस श्लोक में श्री कृष्ण कहते हैं, "जब-जब इस पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है और अधर्म आगे बढ़ता है, तब-तब मैं इस पृथ्वी पर जन्म लेता हूँ सज्जनों और साधुओं की रक्षा के लिए, दुर्जनो और पापियों के विनाश के लिए और धर्म की स्थापना के लिए मैं हर युग में जन्म लेता हूँ" ।

गीता की यही श्लोक द्वापर युग में कहे गए थे और आज कलयुग में भी इतने ही प्रसांगिक है इसे देखने के लिए हमें अपना दायरा बढ़ाना होगा कैसे आइए देखते हैं

वैश्विक महामारी कोविड-19 अर्थात कोरोनावायरस वुहान से उत्पन्न हुआ चीन से चल गया वायरस आज भारत अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, इटली, जर्मनी, रूस समेत विश्व के 204 राष्ट्रों में पैर जमा चुका है।

किसी दंत कथा की तरह यह वायरस चीन में सांप से चमगादड़ से अथवा वहां के जैवसाला से फैला है इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन अपने अधर्मी होने का प्रमाण यह 204 देशों में अभी तक **14,647,584 जान** लेकर प्रमाणित कर चुका है|

मनुष्य से मनुष्य में फैलने वाली इस बीमारी से वैश्विक स्तर पर अभी तक **14,647,584** लोग संक्रमित हैं वैश्विक भूगोल पर कर्क रेखा से ऊपर के राष्ट्र विशेषकर यूरोपीय देश इटली स्पेन जर्मनी ब्रिटेन तथा अमेरिका जैसे विकसित देश अधिक प्रभावित हैं।

भारतीय संदर्भ में देखें तो कोरोना से अभी तक आठ लाख से अधिक व्यक्ति संक्रमित हैं और बढ़ते ही जा रहे हैं लेकिन एक सार्थक बात यह है कि इससे संक्रमित लोग ठीक भी हो रहे हैं।

वैज्ञानिक अर्थों में देखें तो या वायरस संक्रमित व्यक्ति के खासने ,छिकने,हाथ मिलाने, उसके प्रयोग किए गए कपड़ों एवं सामान से भी किसी सामान्य व्यक्ति में पहुंच सकता है,यह स्वसन नलिका (नाक) से या मुंह के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंचता है जहां यह पहले गले और फिर फेफड़ों को बात(बलगम) से संक्रमित कर देता है।

इनसे मरीज को सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई होती है और कृत्रिम स्वास वेंटिलेटर का सहारा लेना पड़ता है इसके लक्षण शुरुआत में सामान्य फ्लू अथवा बुखार जैसे लगते हैं सांस लेने में कठिनाई तथा सूखी खांसी होती है कोरोना सिर्फ टेस्ट से ही पता लगता है अन्यथा नहीं यद्यपि वहां भी इससे अलग अलग स्टेज हैं इससे मरीजों के रिकवर होने के चांस बहुत अधिक हैं वैश्विक स्तर पर **14,647,584** में से **8,737,852** रिकवर हो चुके हैं भारत में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत लॉक डाउन घोषित किया गया था लॉक डाउन का अर्थ है जो जहां है वह वही अपने स्थान पर रहे ,पलायन सामाजिक सम्मेलन समारोह इत्यादि इस दौरान स्थगित रहेंगे प्रत्येक भारतीय नागरिक का यह कर्तव्य है की लॉक डाउन को धर्म समझकर पालन करें|

वस्तुतः इस युग में श्री कृष्ण और कोई नहीं बल्कि डॉक्टर, नर्स ,पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस एवं अन्य जरूरी सुविधाएं प्रदान करने वाले लोगों के रूप में हैं अर्जुन इस देश के नागरिक हैं जो समय समय पर कृष्ण के मार्गदर्शन में इस युद्ध में आगे बढ़ रहे हैं।

इस युद्ध को जितना है तो अर्जुन को विशेष रूप से सतर्क रहना होगा उसे अपने शास्त्रों क्वॉरेंटाइन उचित दूरी का प्रयोग करना मास्क सैनिटाइजर एंड वास साबुन का प्रयोग करके करो ना जैसे अधर्मी को पराजित करना होगा।

अंततः कृष्णा और अर्जुन अन्योन अंचित हैं जिस प्रकार कृष्ण कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सारथी बन दुश्मनों के विरुद्ध शस्त्र उठाने को कहते हैं उसी प्रकार नागरिकों को डॉक्टरों के मार्गदर्शन में करो ना कि विरुद्ध शस्त्र उठाने होंगे।